LOK SABHA

Wednesday, April 17, 1968/Chaitra 28, 1890 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Border Roads in Himachal Pradesh

*1257. SHRI PREM CHAND VERMA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) The target fixed for the construction of border roads in Himachal Pradesh during 1967-68 and 1968-69 and funds allotted for the same during these years ;

(b) the mileage of roads completed during 1967 ; and

(c) whether the development of border roads is proceeding according to the schedule and if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH) : (a) to (c). A statement, containing the reply is placed on the Table of Lok Sabha.

STATEMENT

(a) The plan of construction of roads in Himachal Pradesh included in the immediate programme of Border Roads Development Board, and amount allotted for 1967-68 and proposed to be spent in 1968-69 under Capital Outlay are as under :

	Formation cutting	Surfacing			Funds allotted / earmarked
		Soling	Metalling	Black-topping	
		(In Miles)			(Rs. in lakhs)
1967-68	55.6	61	61	96	328.91
1968-69	59.8	68	68	71	370.28

(b) Achievement during 1967-68 against the plan is indicated below :—

Formation cutting : (Class 9)		57.00 miles.
Surfacing :	Soling	40.00 miles.
	Metalling	63.50 miles.
	Black-topping	88.00 miles.

(c) In 1967-68, the target set for General Reserve Engineer Force in respect of formation cutting was exceeded but Himachal Pradesh, P.W.D. could not achieve the same. In surfacing, there was a slight short-fall in respect of both General Reserve Engineer Force and P.W.D. This was due to un-expectedly heavy rains and snow conditions.

श्री प्रेम चन्द वर्मा : मैं रक्षा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जितना टार्गेट मुकर्रर था इन रोड्स को बनाने का वह टार्गेट क्या इस वजह से पूरा नहीं हुआ कि वहां पर जो आफिशियल्स लाहोल, स्पीती और किन्नौर डिस्ट्रिक्ट में जो कि बार्डर डिस्ट्रिक्ट्स हैं, जाते हैं वह वहां पर रहना नहीं चाहते हैं और वह किसी न किसी बहाने से वापस आ जाते हैं जिस की वजह से यह टार्गेट जो है वह पूरा नहीं हुआ ? क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि कितने इंजीनियर पिछले साल वहां पर गए और उस में कितने ऐसे थे जो वापस आ गए ?

SHRI SWARAN SINGH : As I have explained in the statement that I have placed on the Table of the House, this work is entrusted to two organisations : the Border Roads Development Organisation and the Himachal Pradesh P.W.D. So far as the Border Roads Development Organisation is concerned, it is a military organisation and no case has come to our notice where an engineer who had been posted in any part has not resumed his duty or has shirked going there. With regard to Himachal Pradesh, the hon. Member might know better. I have no information at the present moment. I have explained that the main reason why there was shortfall was due to excessive snow this year.

श्री प्रेम चन्द वर्मा : मैं रक्षा मंत्री से यह जानना चाहूंगा कि बोर्डर रोड आर्गेनाइजेशन या पी० डब्ल्यू० डी० ने इस बात की ओर तवज्जह दिया है कि अगर किसी कारण पाकिस्तानी हमले की वजह से पठानकोट, अमृतसर, जलन्धर, गुरदासपुर, के क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से खतरे से खाली न रहे तो दूसरा महाज़ यानी चीन की सरहदों पर जो हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों से मिलती है जिस में तिब्बत भी शामिल है वहां तक सेनाएं और दूसरी इमदाद भेजने के लिए जो सबसे छोटा और सुरक्षित रास्ता है, लाना-बूटा, अखनार, मंडीरोड और कांगड़ा, नादान, हमीरपुर, शिमला, हमीरपुर मंडी और कुल्लू रोड, यह जितनी रोड्स हैं इनके लिंक से जहां जम्मू और काश्मीर का हमारे भारत के दूसरे हिस्सों से लिंक नहीं टूटता वहां चीन और तिब्बत के सैकड़ों मील सरहद की रक्षा आसानी से हो जाती है ? अगर हां तो इस सिलसिले में उन को फौजी ट्रैफिक के लायक बनाने के लिए क्या इकदामात किये गए हैं ? अगर नहीं तो क्यों नहीं और क्या सरकार इन रोड्स के मुताल्लिक तमाम पहलुओं की जांच माहिरों से कराने पर विचार करेगी ?

SHRI SWARAN SINGH : At the present moment we are concentrating to complete the progromme that we have undertaken, that is mainly the Hindustan-Tibet road and also, on the other side, the Pathankot-Mandi - Kulu - Manali - Rohtang road, but these are the two main roads. The others are mostly interlinks.

SHRI HEM RAJ : In view of the fact that Narkonda remains snowbound almost the year round, there was an alternative proposal to construct a road from Khirathpur by the river Sutlej. May I know whether that has been taken up or not and if it has been taken up, what is the progress made therein ?

SHRI SWARAN SINGH : Khirathpur-Bilaspur road has already been completed mostly, but there is no other proposal to extend that along the Sutlej. At present, the Hindustan-Tibet Road does pass over Narkonda but it does not remain snow-bound for that long a period as the hon. Member said.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अभी सुरक्षा मंत्री ने मंडी पठानकोट मनाली की जिस सड़क का उल्लेख किया क्या यह सच नहीं है कि उस को पूरा करने में बहुत देर लग रही है और अगर देर लग रही है तो उस का कारण क्या है ? और दूसरी बात —अगर हिमाचल का पी० डब्ल्यू० डी० इन सड़कों को नियत समय में बनाने में समर्थ नहीं है तो क्या ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है कि इन सीमावर्त्ती क्षेत्रों की सड़कों का निर्माण डिफेंस मिनिस्ट्री का बोर्डर रोड आर्गेनाइजेशन अपने हाथ में ले ले ?

SHRI SWARAN SINGH : With regard to the first part, the work of widening and improving the road up to Manali is almost complete ; from Manali, between Rohtang-Kieling, as you know, that is a fairly difficult part, and the more difficult part out of this also is with the Border Roads Development Organisation. This year the progress was not quite up to the expectations mainly on account of the excessive snowfall. I think the Himachal Pradesh P.W.D. are doing reasonably well. If we find that they require any assistance we will be glad to give them, or even we can take over the work ourselves.

श्री झारखंडे राय : मान्यवर, मैं यह

जानना चाहता हूं कि इस प्रश्नोत्तर का संबंध सीमा की सड़कों से है तो डिफेंस डिपार्टमेंट की यह कौन सी नीति है कि इस माउन्टेनस एरिया को और ज्यादा अलंघ्य और दुर्गम न बना कर, इन में सड़कें बनायी जा रही हैं ताकि अगर कोई लड़ाई हो और हमारी फौजें दुर्भाग्य से पीछे हटें तो इन सड़कों का इस्तेमाल दुश्मन भी कर सके ? तो इन एरियाज़ को और कठिन न बना कर या जितने कठिन हैं उतने कठिन न रहने दे कर इन को आसान बनाने की कौन सी नीति है जो हमारे दुश्मन के भी इस्तेमाल में आ सकती है, यह मैं जानना चाहता हूं ?

श्री स्वर्ण सिंह : अब इसका मैं क्या जवाब दूं ?.....

श्री हुकम चन्द कछवाय : लाजवाब है।

श्री स्वर्ण सिंह : हां, यह लाजवाब है, उनका कहना ठीक है।

Really, Sir, if one is in depression, no one can boost the morale of such a person. It is an amazing suggestion : that by our improving our roads we provide facilities to the enemy, is something which I cannot accept, and I would appeal to the hon. Member not to think on those lines.

Grants to States

*1259. SHRI B. N. KUREEL : Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether some States could not draw the Central grants for various schemes as they were not able to arrange the matching grants within the State during the Third Plan period and the period thereafter upto the end of 1967-68 ; and

(b) If so, which are the States and what were the various schemes for which grants were not drawn ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI B. R. BHAGAT) : (a) and (b). Allocation of assistance to States, in the form of loans and grants, are made by the Ministry of Finance at the beginning of each financial year and funds are released to the States in instalments. Final adjustments which determine the actual utilisation of grants are made on the basis of audited figures of expenditure supplied by the State Governments.

The audited figures for the Third Plan period as a whole and upto the end of 1967-68 are still awaited from the State Governments.

श्री बी० एन० कुरील : क्या केन्द्र सरकार की जानकारी में यह बात आई है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 1967-68 के वित्तीय वर्ष में वहां पर जो महिलाओं के कल्याण की और हरिजनों के कल्याण की योजनाएं थीं उन को बन्द कर दिया और यह कहा कि हम को केन्द्र से ग्रान्ट नहीं मिली क्योंकि हम मैचिंग ग्रान्ट नहीं दे रहे हैं, तो क्या यह बात सही है ?

श्री बी० आर० भगत : माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सवाल तो फाइनेंस मिनिस्ट्री से सम्बन्धित है और इस की तफसील मैं नहीं दे सकता.....

श्री हुकम चन्द कछवाय : तो आप क्यों जवाब दे रहे हैं ? आप ने क्यों स्वीकार कर लिया ?

श्री बी० आर० भगत : हमने यह कहा था कि फाइनेंस मिनिस्ट्री को यह ट्रांसफर हो जाए। उन्होंने मान भी लिया था लेकिन...(**व्यवधान**) ...मैं अध्यक्ष महोदय से कहूंगा कि यह सवाल ट्रांसफर हो जाए तो पूरी तफसील में सूचना दी जायेगी।

श्री बी० एन० कुरील : अध्यक्ष महोदय, मैंने फाइनेंस मिनिस्ट्री के लिए ही सवाल किया था। मेरी समझ में नहीं आया कि इन के पास कैसे गया ?

प्रधान मंत्री, अणु शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : जो उन्होंने कहा कि जो वहां स्कीमें रुक गई हैं वह सच है।

श्री बी० एन० कुरील : क्या केन्द्र सरकार की जानकारी में यह भी बात है कि ऐसी ही